Date
Page

सर्वशिक्षा अभियान के तहत समावेशी शिक्षा (S.S.A)

यह स्कूल व्यवस्था के समुदाय-स्वामित्व के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा को सार्व भौमिक बनाने का एक प्रयास है। यह देश भर में गुणवत्ता पूर्ण बुनियादी शिक्षा की मांग के जवाब में है। सर्व शिक्षा अभियान कार्यक्रम भी एक अच्छी तरह से परिभाषित योजना के साथ एक अभियान रूप में समुदाय के स्वामित्व वाली गुणवत्ता शिक्षा के प्रावधान के माध्यम से सभी बच्चो को मानव क्षमताओं में सुधार के लिए एक अवसर प्रदान करने का प्रयास है।

S.S.A 2000-2001 के बाद से विभिन्न प्रकार के हस्तक्षेप के लिए सार्वभौमिक पहुँच और प्रतिधारण के लिए रूपरेखा तैयार करने और प्राथमिक शिक्षा मे लिंग और सामाजिक श्रेणी के अन्तराल को तोड़ने और सीखने की गुणवत्ता मे सुधार लाने के लिए कार्यरत रहा है। हाँ देश मे सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा UEE प्राप्त करने के लिए

Date
Page

S.S.A भारत सरकार (R.T.I)

शिक्षा →

का अधिकार व्यापक और एकीकृत कार्यक्रम है। राज्य सरकारो के साथ साझेदारी के सहयोग से चलाया गया जिसके उद्देश्य 2010 तक 6-14 वर्ष के आयु वर्ग के सभी बच्चो को उपयोगी और प्रासंगिक शिक्षा प्रदान करना है।

S.S.A के चार मुख्य लक्ष्य निम्न है।

(1) स्कूल के सभी बच्चो का नामांकन शिक्षा गारंटी केन्द्र वैकल्पिक 205 तक बैक टू स्कूल आम योजना

(2) 2010 तक माध्यमिक स्कूल के सभी बच्चों का प्रतिधारण

(3) - नामांकन प्रतिधारण और सीखने मे लिंग और सामाजिक श्रेणी के अन्तराल को कम करना।

(4) - यह सुनिश्चित करना कि प्राथमिक और उच्च माध्यमिक कक्षाओ मे बच्चो को सीखने की उपलब्धियो के स्तर मे महत्वपूर्ण वृद्धि करना

Date
Page

S.S.A की विशेषताएं

(1) - सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा के लिए एक स्पष्ट समय सीमा वाला कार्यक्रम है।
(2) - गुणवत्ता की बुनियादी शिक्षा की मांग की पूर्ति के लिए है।
(3) बुनियादी शिक्षा के माध्यम से सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करता है।
(4) देश भर में सार्वभौमिक शिक्षा के लिए राजनीतिक इच्छा का एक अभिव्यक्ति
(5) केन्द्र, राज्य और स्थानीय सरकार के बीच साझेदारी।
(6) राज्यों के लिए प्राथमिक शिक्षा की अपनी स्वयं की दृष्टि विकसित करने का एक अवसर

सर्वशिक्षा अभियान का उद्देश्य →

सर्वशिक्षा अभियान 2010 तक 6 से 14 वर्ष के सभी बच्चों के लिए उपयोगी और प्रासंगिक प्राथमिक शिक्षा प्रदान करना है।

Date
Page

S.S.A का उद्देश्य

- इसका उद्देश्य बच्चो को अपने प्राकृतिक वातावरण में सीखने और दक्ष होने की अनुमति देना जिससे उनको आत्मिक शिक्षा की एक प्रक्रिया भी होगी जो बच्चो को केवल स्वार्थी गतिविधियों की अनुमति देने के बजाय एक दूसरे के अच्छे के लिए काम करने का अवसर प्रदान करती है।
- सर्वशिक्षा अभियान देखभाल और शिक्षा के महत्व को महसूस करता है। और एक निरपेक्षता के रूप में 6-14 वर्ष की उम्र को देखता है। विशिष्ट के विशेष लक्ष्यो को प्राप्त विशेष के लिए एक निश्चित
- प्रत्येक राज्य और जिला लक्ष्य
- तारिख निर्धारित करेगा, जिसके द्वारा S.S.A के सुपर लक्ष्यो को उनके विशिष्ट संदर्भ में प्राप्त किया जायेगा 2010 के बाद में नहीं।
- कुछ आवश्यक कौशलो में सीखने के परिणामों के लिए शैक्षणिय मानको को विकसित किया जायेगा

Date
Page

व्यापक रणनीतियाँ →

* संस्थागत सुधार S.S.A के एक अंग के रूप में वितरण प्रणाली की दक्षता मे सुधार के लिए केन्द्रीय और राज्य सरकारें संचालन करेगी राज्यो के शैक्षिक प्रशासन, स्कूलो में उपलब्धियो के स्तर वित्तीय मुद्दो, विकेन्द्रीकरण और स्वामित्व राज्य शिक्षा अधिनियम की समीक्षा शिक्षक तैयारी के युक्तिकरण और शिक्षको की भर्ती नियमावली और मूल्यांकन सहित उनकी प्रचलित शिक्षा प्रणाली का आकलन करना होगा। साथ ही लडकियों की शिक्षा की दर्जी अनुसूचित जाति/जन जाति व वंचित वर्ग समूह, निजि स्कूलो और ECCE के बारे मे नीति बनाना।

* संस्थागत क्षमता निर्माण - SSA राष्ट्रीय, राज्य व जिला स्तर की संस्थानों जैसे - N.U.E.P.A/ N.C.E.R.T N.C.T.E/ NCRT/ S.I.E.M.T/ D.I.E.T के लिए एक प्रमुख क्षमता निर्माण भूमिका निभाता है।

Date
Page

पहुँच और समानता →

RMSA न केवल अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जन जाति समूहों अल्पसंख्यकों की बालिकाओं और CWSN बच्चों को शामिल करने वाले विशेष फोकस समूहों के लिए के लिए माध्यमिक शिक्षा प्रदान करने पर जोर देती है। बल्कि यह माध्यमिक स्तर में सामाजिक आर्थिक और लिंग पृष्ठभूमि में मौजूदा असमानताओं को दूर करने पर भी महत्व देती है। शिक्षा उन्हें कमजोर वंचित समूहों के लिए जानी जाती है। माध्यमिक शिक्षा के लिए मुक्त पहुँच प्रदान करने के लिए मुक्त कुछ रणनीतियों को लागू किया गया था। और उन्हें निम्न चरणों में दिखाया गया था

(1) वंचित समूहों की पहचान इस उद्देश्य के लिए, सकल नामांकन अनुपात GER शुद्ध नामांकन व लिंग समानता के लिए प्रयास था